प्रेस के लिए सूचना नोट (प्रेस विज्ञप्ति सं. **145 / 2025)**

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

www.trai.gov.in

नई दिल्ली, दिसंबर **2025** तत्काल प्रकाशन हेतु

आई.टी.यू एवं ट्राई द्वारा भुवनेश्वर में निष्पादन, सेवा- गुणवत्ता और अनुभव- गुणवत्ता पर कार्यशाला

भुवनेश्वर, 4 दिसंबर 2025- भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (भादूविप्रा) ने अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ (ITU) की साझेदारी में आज भुवनेश्वर में **निष्पादन, सेवा-गुणवत्ता और अनुभव-गुणवत्ता पर आईटीयू-ट्राई कार्यशाला का उद्घाटन किया।** इस दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम ने दूरसंचार सेवा-गुणवत्ता फ्रेमवर्क पर वैश्विक सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए दुनिया भर के **नैशनल रैगुलेटरी अथॉरिटीज (NRA), सेवा प्रदाताओं और तकनीकी विशेषज्ञों को एक साथ आने का अवसर उपलब्ध करवाया।** कार्यशाला की शुरुआत एक औपचारिक दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई, जिसके बाद **भादूविप्रा के सचिव श्री अतुल कुमार चौधरी** ने स्वागत-भाषण दिया और आईटीयू और ओडिशा सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में **भादूविप्रा के अध्यक्ष श्री अनिल कुमार लाहोटी** ने उद्घाटन-भाषण दिया।

अपने स्वागत भाषण में, श्री अतुल कुमार चौधरी ने **पारदर्शी और उपभोक्ता केंद्रित विनियमन** के लिए भादूविप्रा की प्रतिबद्धता दुहराई । उन्होंने सेवा-गुणवत्ता ढांचे को मजबूत करने में अंतरराष्ट्रीय सहयोग के महत्व का उल्लेख किया और इस बात पर जोर दिया कि **कनेक्टिविटी, मैपिंग, सेटेलाईट-द्वारा क्वालिटी एसेसमेंट एंड रीजनल रेगुलेटरी एप्रोच** पर आगामी चर्चा आपसी समझ पैदा करने में महत्वपूर्ण योगदान देंगी ।

उद्घाटन अधिवेशन के दौरान **माननीय संचार राज्य मंत्री डॉ. पेम्मासानी चन्द्र शेखर का** एक वीडियो सन्देश दिखाया गया। उन्होंने **दूरसंचार अधिनियम, 2023** के तहत नागरिकों के लिए विश्वसनीय और उच्च गुणवत्ता वाली कनेक्टिविटी पर भारत के ध्यान केंद्रित करने पर जोर देते हुए सेवा-गुणवत्ता को मजबूत बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला और वैश्विक मानकों और सर्वोत्तम प्रथाओं को आगे बढ़ाने में ट्राई और आईटीयू के संयुक्त कार्य का स्वागत किया।

उद्घाटन सत्र में दूरसंचार मानकीकरण ब्यूरो (ITU-TSB) के निदेशक श्री **सीज़ो ओनो का** एक वीडियो सन्देश भी दिखाया गया। उन्होंने समान डिजिटल रूपांतरण को सक्षम करने में **सामंजस्यपूर्ण गुणवत्ता मानकों के वैश्विक महत्व** पर बल दिया । श्री ओनो ने विविध राष्ट्रीय संदर्भों और तकनीकी जरूरतों को दर्शाने वाले सेवा-गुणवत्ता और अनुभव-गुणवत्ता ढांचे को विकसित करने में सदस्य देशों का समर्थन करने के लिए आई.टी.यू. की प्रतिबद्धता को भी दोहराया।

सभा को संबोधित करते हुए, ओडिशा सरकार के **मुख्य सचिव, श्री मनोज आहूजा, आई.ए.एस.** ने जनता की सुरक्षा और आपदा प्रतिक्रिया में दूरसंचार सेवाओं की आवश्यक भूमिका पर प्रकाश डाला। चक्रवात और सुनामी चेतावनी के दौरान अपने ओडिशा के विश्वसनीय नेटवर्क के व्यापक उपयोग का हवाला देते हुए, उन्होंने इस बात पर जोर

दिया कि **समावेशी विकास, आर्थिक विकास और कुशल सार्वजनिक सेवा वितरण को सक्षम करने में दूरसंचार सेवाओं की भूमिका** बहुत महत्वपूर्ण है।

यह देखते हुए कि आज लगभग हर कल्याणकारी तंत्र कनेक्टिविटी पर निर्भर है, उन्होंने जोर देकर कहा कि सामयिक चेतावनी और लचीली सेवा वितरण के लिए **मजबूत सेवा-गुणवत्ता और अनुभव-गुणवत्ता मानक प्रणालियां अपरिहार्य हैं**। उन्होंने यह भी कहा की "दूरसंचार आज समावेशी विकास, आर्थिक विकास और हर प्रमुख कल्याणकारीकारी कार्यक्रम के वितरण को रेखांकित करता है। कनेक्टिविटी अब दैनिक जीवन के हर पहलू को छूती है, जैसे कि ग्रामीण शासन और पंचायत सेवाओं के ऑनलाइन होने से लेकर जनता के कार्यो के सुचारू संचालन तक। उन्होंने आगे कहा कि "राज्यों और देशों में सहयोग द्वारा समर्थित उपभोक्ता-केंद्रित सेवा-गुणवत्ता पर निरंतर ध्यान केंद्रित करना आवश्यक है इसलिए हम सेवा-गुणवत्ता को मजबूत करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।"

उद्घाटन वक्तव्य में **ट्राई अध्यक्ष, श्री अनिल कुमार लाहोटी** ने समावेशी डिजिटल दूरसंचार इकोसिस्टम के निर्माण में भारत की प्रगति और उसके द्वारा दिन-प्रतिदिन जीवन में कनेक्टिविटी की परिवर्तनकारी भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारत में **5जी सेवाओं की उपलब्धता** वैश्विक स्तर पर **सबसे तेजी से उभरी है, जिसके लिए 123 करोड़ से अधिक दूरसंचार ग्राहकों** और लगभग **99 प्रतिशत 4-जी सेवाओं** की उपलब्धता का योगदन महतवपूर्ण है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत किफायती टैरिफ बनाए रखते हुए डेटा-खपत का उच्च-स्तर रिकॉर्ड जारी रखे हुए है जो कि सामाजिक-आर्थिक समूहों में व्यापक डिजिटल सेवा की पहुंच सुनिश्चित करता है।

श्री लाहोटी ने शहरी-ग्रामीण विभाजन को पाटने, मोबाइल आधारित वित्तीय समावेशन को सपोर्ट करने और **दूरसंचार अधिनियम, 2023** अधीन प्रक्रियागत ढांचे को सरल बनाने में उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए एक मॉडल के रूप में भारत के उदय को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि सेवा-गुणवत्ता मूल्यांकन में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए **इमारतों के लिए सर्विस रेटिंग फ्रेमवर्क की गुणवत्ता** ट्राई की एक महत्वपूर्ण पहल है और इमारतों के भीतर होने वाले डेटा उपयोग के महत्वपूर्ण हिस्से को देखते हुए, इनडोर कनेक्टिविटी को मजबूत करने की बढ़ती आवश्यकता पर बल दिया।

इसके लिए उन्होंने गहन बहुपक्षीय सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया, और **एशिया के लिए सेवा-गुणवत्ता और अनुभव-गुणवत्ता** पर **एक आईटीयू-निर्देशित क्षेत्रीय समूह** का प्रस्ताव किया जो कि धोखाधड़ी की रोकथाम, साइबर सुरक्षा और नेटवर्क समायोजन जैसी चुनौतियों का समाधान करने के लिए योगदान दे । उन्होंने कहा, "भारत का अनुभव दर्शाता है कि कैसे व्यापक दूरसंचार नीतियां, नियामक सुधार और मजबूत सहयोग समावेशी विकास और डिजिटल सशक्तिकरण को बढ़ावा दे सकते हैं," उन्होंने यह भी कहा कि समन्वित क्षेत्रीय प्रयासों से पूरे एशिया में सेवा-गुणवत्ता और अनुभव-गुणवत्ता ढांचे को मजबूत करने में मदद मिलेगी।

उद्घाटन सत्र का समापन करते हुए, **आईटीयू स्टडी ग्रुप एडवाईजर श्री मार्टिन एडोल्फ** ने कार्यशाला की मेजबानी के लिए **ट्राई और ओडिशा सरकार** को उसके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने सभी प्रतिनिधियों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि ये चर्चाएं वैश्विक सेवा-गुणवत्ता और अनुभव-गुणवत्ता ढांचे को मजबूत करने के लिए **क्वालिटी ऑफ सर्विस डेवलपमेंट ग्रुप (QSDG)** के आगामी काम के बारे में सीधे योगदान देंगी ।

4 दिसंबर को आयोजित इस कार्यशाला में चार विषयगत सत्रों को शामिल किया गया, जिसमें **एशिया में सेवा-गुणवत्ता दृष्टिकोण** पर एक रीजनल पैनल, **कनेक्टिविटी, मैपिंग, सेटेलाईट सेवा प्रदर्शन एवं मापन** प्रोद्योगिकी को भी शामिल किया गया। ये सत्र उपकरणों, कार्यप्रणाली और विनियामक दृष्टिकोण का आदान-प्रदान करने के लिए विनियामकों, उद्योग जगत और विशेषज्ञों को एक साथ लाते हैं। 5 दिसंबर को कार्यक्रम जारी रहेगा जिसमें **(QSDG)** की एक बैठक होगी और उसके बाद " NRA Repository," पर **ITU-T Study Group 12** की एक प्रतिवेदक समूह की बैठक होगी, जो विनियामकों द्वारा उपयोग किए जाने वाले क्यू सेवा-गुणवत्ता और अनुभव-गुणवत्ता मानकों पर एक व्यापक वैश्विक पुस्तकालय बनाने की पहल है।

इस कार्यशाला का उद्देश्य सेवा-गुणवत्ता और अनुभव-गुणवत्ता के प्रबंधन में महत्वपूर्ण चुनौतियों की समझ को विकसित करना और विनियामक निकायों व सेवा प्रदाताओं के करने-योग्य सर्वोत्तम प्रथाओं के विकास का समर्थन करना है। प्रतिभागियों को विभिन्न क्षेत्रों में **सार्वभौमिक, विश्वसनीय और सुरक्षित दूरसंचार सेवाओं को आगे बढ़ाने** के उद्देश्य से सहकर्मी-शिक्षण, पद्धतियों के आदान-प्रदान और सहयोगात्मक संवाद से लाभ होगा। आई.टी.यू.-टी. की साझेदारी में भादूविप्रा द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में **एशिया, अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और यूरोप** 39 देशों के लगभग 150 प्रतिभागियों ने प्रत्यक्ष एवं आभासी रुप में भाग लिया जो दूरसंचार मानकों और नीति विकास की वैश्विक आवश्यकता को दर्शाता है। प्रतिनिधियों में विनियामक अधिकारी, ऑपरेटर्स, प्रौद्योगिकी विक्रेता और मापन-उपकरण विशेषज्ञ जैसे कि **Opensignal, Ookla and Keysight Technologies** शामिल हुए ।

अधिक जानकारी अथवा किसी स्पष्टीकरण के लिए, कृपया श्री अब्दुल कयूम, सलाहकार (ब्रॉडबैंड और नीति विश्लेषण), भादूविप्रा से advbbpa@trai.gov.in पर संपर्क करें।

(अतुल कुमार चौधरी)
सचिव